चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जीन्द

(प्रदेश विधायिका एक्ट 28, 2014 के तहत)

बी० ए० (प्रोग्राम) हिन्दी पाठ्यक्रम

सी० बी० सी० एस० (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)

सत्र 2023-24 से चरणबद्ध रूप से प्रभावी

स्कीम	कोर्स	कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण	परीक्षा योजना			
					घण्टे/प्रति सप्ताह	परीक्षा अंक	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर-I									
A & C	CC-1 MCC-1	B23-HIN-101	हिन्दी भाषा और साहित्येतिहास	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
केवल C	MCC-2	B23-HIN-102	भाषा विज्ञान	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
केवल A	CC-M11	B23-HIN-103	हिन्दी भाषा और साहित्य	2	02	35	15	50	2 घण्टे
A & C	MDC-1	B23-HIN-104	हिन्दी भाषा एवं लिपि	3	2+1 (Tutorial)	50	25	75	3 घण्टे
सेमेस्टर-II									
A & C	CC-2 MCC-3	B23-HIN-201	मध्यकालीन हिन्दी कविता	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
केवल C	DSEC-1	B23-HIN-202	कला और साहित्य	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
केवल A	CC-M12	B23-HIN-203	तकनीकी हिन्दी	2	02	35	15	50	2 घण्टे
A & C	MDC-2	B23-HIN-204	हिन्दी साहित्य का इतिहास	3	2+1 (Tutorial)	50	25	75	3 घण्टे
सेमेस्टर-III									
A, B & C	CC-3 MCC-4	B23-HIN-301	हिन्दी गद्य साहित्य	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	MCC-5	B23-HIN-302	हिन्दी उपन्यास	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
A, B & C	MDC-3	B23-HIN-303	हिन्दी गद्य साहित्य	3	2+1 (Tutorial)	50	25	75	3 घण्टे
सेमेस्टर-IV									
A, B & C	CC-4 MCC-6	B23-HIN-401	आधुनिक हिन्दी कविता	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	MCC-7	B23-HIN-402	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	MCC-8	B23-HIN-403	कथेतर गद्य साहित्य	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	DSE-1 Select One Option	B23-HIN-404	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
		B23-HIN-405	समाचार और संपादन कला	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे

स्कीम	कोर्स	कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण	परीक्षा योजना			
					घण्टे/प्रति सप्ताह	परीक्षा अंक	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर-V									
A, B & C	CC-5 MCC-9	B23-HIN-501	हिन्दी गद्य साहित्य-II	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	MCC-10	B23-HIN-502	हिन्दी पत्रकारिता	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	DSE-2 Select One Option	B23-HIN-503	हिन्दी निबंध और आलोचना	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
		B23-HIN-504	समकालीन हिन्दी कविता	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	DSE-3 Select One Option	B23-HIN-505	प्रेमचन्द	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
		B23-HIN-506	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
सेमेस्टर-VI									
A, B & C	CC-6 MCC-11	B23-HIN-601	सर्जनात्मक लेखन	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	MCC-12	B23-HIN-602	वैचारिक पृष्ठभूमि	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	DSE-4 Select One Option	B23-HIN-603	हरिशंकर परसाई	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
		B23-HIN-604	अज्ञेय	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
B & C	DSE-5 Select One Option	B23-HIN-605	मोहन राकेश	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
		B23-HIN-606	फणीश्वर नाथ 'रेणु'	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
सेमेस्टर-VII									
For Honours in Hindi / Honours with Research in Hindi [B & C]	CC-H1	B23-HIN-701	भारतीय साहित्य	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
	CC-H2	B23-HIN-702	भारतीय साहित्यशास्त्र	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
	CC-H3	B23-HIN-703	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
	DSE-6 Select One Option	B23-HIN-704	अनुवाद सिद्धांत	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
		B23-HIN-705	मीडिया और जनसंचार	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
	PC-H1	B23-HIN-706	Practicum Based on B23-HIN-701 to 704/705/706	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे

स्कीम	कोर्स	कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण	परीक्षा योजना			
					घण्टे/प्रति सप्ताह	परीक्षा अंक	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
			सेमेस्टर-VIII						
For Honours in Hindi [B & C]	CC-H4	B23-HIN-801	लोक साहित्य	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
	CC-H5	B23-HIN-802	हरियाणा का साहित्य	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
	CC-H6	B23-HIN-803	विश्व साहित्य	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
	DSE-7 Select One Option	B23-HIN-804	स्त्री विमर्श	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
		B23-HIN-805	दलित विमर्श	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
	PC-H2	B23-HIN-806	Practicum Based on B23-HIN-801 to 804/805/806	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
			सेमेस्टर-VIII						
For Honours with Research in Hindi [B & C]	CC-H4	B23-HIN-801	लोक साहित्य	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
	CC-H5	B23-HIN-802	हरियाणा का साहित्य	4	3+1 (Tutorial)	70	30	100	3 घण्टे
	Project/ Dissertation	B23-HIN-806	Project/ Dissertation	12		300		300	

सेमेस्टर-I CC-1, MCC-1

B23-HIN-101 हिन्दी भाषा और साहित्येतिहास

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

अंक : 100

परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास से परिचित करवाना। साहित्येतिहास दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

101.1 हिन्दी साहित्य के विभिन्न पड़ावों, आन्दोलनों की जानकारी।

101.2 मध्यकाल के विभिन्न सम्प्रदायों की दार्शनिक पृष्ठभूमि का ज्ञान।

101.3 साहित्येतिहास लेखन के महत्व एवं लेखन की प्रक्रिया का परिचय।

101.4 भारतीय इतिहास के परिवर्तनों व उसके साहित्य पर पड़े प्रभावों की पहचान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 40 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से दस प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड 10 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास; अपभ्रंश, अवहट्ठ और पुरानी हिन्दी; हिन्दी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ; साहित्यिक भाषा के रूप में अवधी का विकास; साहित्यिक भाषा के रूप में ब्रज भाषा का विकास; उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास।

इकाई-2 फोर्ट विलियम कॉलेज और हिन्दी गद्य का विकास; स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास; भारतीय संघ की राजभाषा के रुप में हिन्दी का विकास; देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता; मानक हिन्दी का स्वरुप; आज की हिन्दी।

इकाई-3 इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास-दर्शन; हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा; हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ और विभिन्न इतिहास-दृष्टियाँ; हिन्दी साहित्य के इतिहास के प्रमुख ग्रन्थों का परिचय; हिन्दी साहित्येतिहास का काल विभाजन और नामकरण।

इकाई-4 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि और परिवेश; आदिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ; भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण; भक्ति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ; दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य; रीति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ; हिन्दी नवजागरण काल की पृष्ठभूमि और परिवेश।

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा एवं लिपि – ब्रजपाल
- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं – अवधेश प्रधान
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

सेमेस्टर-I MCC-2

B23-HIN-102 भाषा विज्ञान

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

अंक : 100

परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा परिचित करवाना। हिन्दी भाषा के सिद्धांतों से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

102.1 भाषा विज्ञान के विभिन्न अवयवों की जानकारी।

102.2 भाषा वैज्ञानिकों एवं उनके सिद्धांतों की जानकारी।

102.3 भाषा परिवर्तन की स्वाभाविक प्रक्रिया से परिचय।

102.4 भाषायी आधार पर साहित्य के अध्ययन की जानकारी।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 40 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से दस प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड 10 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 भाषा विज्ञान : नामकरण और परिभाषा; भाषा विज्ञान के अंग और शाखाएँ; भाषा विज्ञान- विज्ञान है या कला; भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र; भाषा विज्ञान की उपयोगिता; भाषा विज्ञान एवं अन्य शास्त्र।

इकाई-2 ध्वनि विज्ञान : अर्थ और उपयोगिता; फोनोलॉजी और फोनेटिक्स में अन्तर; ध्वनि विज्ञान की शाखाएँ; वाग्य यन्त्र और उनका वर्गीकरण; हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण; प्रयत्न के आधार पर वर्गीकरण; ध्वनिगुण- मात्रा, आघात, बलाघात, सुर, संगम।

इकाई-3 ध्वनि परिवर्तन और उसके कारण- बाह्य, आंतरिक; ध्वनि परिवर्तन के भेद- अकारण, सकारण; ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ; विशिष्ट ध्वनि परिवर्तन- अपिनिहित, अभिश्रुति, अपश्रुति।

इकाई-4 वाक्य की परिभाषा और अनिवार्य तत्व; पद और वाक्य; वाक्य में पद-विन्यास के आवश्यक गुण; वाक्य और पदक्रम; वाक्य के प्रकार और विभाजन; वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।

सहायक पुस्तकें

- भाषा विज्ञान – डॉ० कपिलदेव द्विवेदी
- सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ० बाबूराम सक्सेना
- भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा – राजनाथ भट्ट
- भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – मुकेश अग्रवाल
- भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
- भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – राम छबीला त्रिपाठी
- आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत – रामकिशोर शर्मा

सेमेस्टर-I CC-M11

B23-HIN-103 हिन्दी भाषा और साहित्य

क्रेडिट : 2

समय : 2 घण्टे

अंक : 50

परीक्षा अंक : 35, आंतरिक मूल्यांकन : 15

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा और साहित्य से परिचित करवाना। साहित्यिक दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

103.1 कल्पना-शक्ति और रचनात्मकता का विकास।

103.2 हिन्दी भाषा के विभिन्न पड़ावों, आन्दोलनों की जानकारी।

103.3 भाषा परिवर्तन व उसके साहित्य पर पड़े प्रभावों की पहचान।

103.4 हिन्दी साहित्यकारों का जीवन-दर्शन और स्वभावगत महानता से अवगत।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचना में से दो पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किसी एक पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 06 अंक का होगा।
- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 07 अंकों का होगा। यह खण्ड कुल 14 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से चार प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 08 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड 07 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

संस्मरण : पथ के साथी (महादेवी वर्मा)

(ख) समीक्षात्मक प्रश्नों के लिए

इकाई-1 भाषा : परिभाषा, प्रकृति और विशेषताएँ; भाषा और संस्कृति; भाषा और मानव समाज का सांस्कृतिक विकास; भाषा और साहित्य; भाषा में साहित्य की भूमिका; वाचिक और लिखित साहित्य।

इकाई-2 हिन्दी भाषा का उद्‌भव एवं विकास; हिन्दी की उपभाषाएं एवं बोलियाँ; साहित्यिक भाषा के रूप में अवधी का विकास; साहित्यिक भाषा के रूप में ब्रज भाषा का विकास; उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास।

इकाई-3 फोर्ट विलियम कॉलेज और हिन्दी गद्य का विकास; स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास; भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास; देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता; मानक हिन्दी का स्वरुप; आज की हिन्दी।

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा एवं लिपि – ब्रजपाल
- भाषा विज्ञान – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

सेमेस्टर-I MDC-1

B23-HIN-104 हिन्दी भाषा एवं लिपि

क्रेडिट : 3

समय : 3 घण्टे

अंक : 75

परीक्षा अंक : 50, आंतरिक मूल्यांकन : 25

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा के इतिहास से परिचित करवाना। हिन्दी भाषा के मानक स्वरूप से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

104.1 भाषा का मानव जीवन में योगदान।

104.2 हिन्दी भाषा के मानक स्वरूप की जानकारी।

104.3 देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता से परिचय।

104.4 हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक यात्रा की जानकारी।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 भाषा : परिभाषा, प्रकृति और विशेषताएँ; भाषा और संस्कृति; भाषा और मानव समाज का सांस्कृतिक विकास; भाषा और साहित्य; भाषा में साहित्य की भूमिका।

इकाई-2 हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास; हिन्दी की उपभाषाएं एवं बोलियाँ; साहित्यिक भाषा के रूप में अवधी का विकास; साहित्यिक भाषा के रूप में ब्रज भाषा का विकास; उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास।

इकाई-3 मानक हिन्दी में शब्द भण्डार एवं स्त्रोत; मानक हिन्दी की रूप संरचना- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण; उपसर्ग, प्रत्यय और अव्यव; मानक हिन्दी की वाक्य संरचना- अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार।

इकाई-4 हिन्दी भाषा के विविध रुप; भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास; देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता; मानक हिन्दी का स्वरूप; आज की हिन्दी।

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा एवं लिपि – ब्रजपाल
- भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा – राजनाथ भट्ट
- भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – मुकेश अग्रवाल
- भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
- भाषा विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी
- भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा और लिपि – रामकिशोर वर्मा

सेमेस्टर-II CC-2, MCC-3

B23-HIN-201 मध्यकालीन हिन्दी कविता

क्रेडिट : 4 | अंक : 100

समय : 3 घण्टे | परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

मध्यकालीन हिन्दी कविता से परिचय। मध्यकालीन हिन्दी कविता के अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

201.1 मध्यकालीन हिन्दी कविता एवं कवियों से परिचय।

201.2 मध्यकालीन हिन्दी कविता के काव्य-सरोकार व शिल्प का बोध।

201.3 मध्यकालीन हिन्दी कविता की आलोचनात्मक समझ का विकास।

201.4 मध्यकालीन कविता की विभिन्न धाराओं की विशिष्टताओं की पहचान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) व्याख्या के लिए

कबीरदास : [पद संख्या – 1, 2, 3, 5, 8, 11, 12, 13, 16, 20, 22, 24, 26, 27, 30, 33, 35, 40, 46, 47, 57, 63, 64]
कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन

सूरदास : [पद संख्या – 3, 4, 7, 9, 11, 16, 18, 21, 22, 24, 30, 34, 37, 42, 45, 52, 62, 75, 85, 100, 125, 133]
भ्रमरगीत सार – सं॰ रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन

तुलसीदास : [पद संख्या – 90, 101, 102, 105, 111, 112, 115, 116, 117, 119, 120, 121, 123, 124, 162, 167, 172, 174, 198, 201]
विनय पत्रिका – सं॰ वियोगी हरि, अरिहन्त प्रकाशन, जोधपुर

बिहारी : [दोहा संख्या – 1, 5, 7, 9, 10, 11, 15, 19, 20, 21, 22, 25, 28, 32, 38, 42, 45, 52, 55, 67, 71, 73, 78]
बिहारी रत्नाकर – सं॰ जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन

(ख) आलोचनात्मक एवं लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

रैदास, कबीरदास, सूरदास, जायसी, मीराबाई, रसखान, तुलसीदास, रहीम, बिहारी, चिंतामणि, घनानन्द।

सहायक पुस्तकें

- सूरदास – ब्रजेश्वर शर्मा
- मीराबाई – परशुराम चतुर्वेदी
- जायसी – विजयदेव नारायण साही
- कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपादक डॉ॰ नगेंद्र सिंह

सेमेस्टर-II DSEC-1

B23-HIN-202 कला और साहित्य

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

अंक : 100

परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

कला और साहित्य से परिचित करवाना। कला और साहित्य अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

202.1 कला और साहित्य से परिचय।

202.2 साहित्य और अन्य कलाओं के अंतरसंबंधों का बोध।

202.3 साहित्य और कला के विभिन्न आयामों की आलोचनात्मक समझ।

202.4 साहित्य व कला के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों की समझ का विस्तार।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 40 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से 7 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – समसामयिक विषयों में से पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप विकल्प सहित एक निबंधात्मक प्रश्न दिया जाएगा। प्रश्न का उत्तर लगभग 300-500 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 10 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 कला : अर्थ एवं स्वरुप; साहित्य : अर्थ, परिभाषा, तत्त्व और भेद; कला और साहित्य का अन्तरसंबंध; कला और समाज का अन्तरसंबंध; कला में दीर्घजीविता के तत्व और उपकरण।

इकाई-2 भारतीय कला का विकास; कला और हिन्दी साहित्य के संबंध की परम्परा; साहित्य और समाज; साहित्य और मनोविज्ञान; साहित्य और राजनीति; साहित्य और विचारधारा।

इकाई-3 लोक कला और साहित्य; साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व; भारतीय नाट्य कला; साहित्य, कला और विचारधारा।

इकाई-4 कला कला के लिए; कला जीवन के लिए; वर्तमान में साहित्य और कला की प्रासंगिकता; साहित्य का प्रयोजन; साहित्य, कला और बाज़ार।

सहायक पुस्तकें

- कला और संस्कृति – रजनी
- साहित्य और समाज – रामधारी सिंह दिनकर
- साहित्य और कला – भगवतीशरण उपाध्याय
- साहित्य के सिद्धांत और रुप – भगवतीचरण वर्मा
- कार्ल मार्क्स : कला और साहित्य चिंतन – नामवर सिंह

सेमेस्टर-II CC-M12

B23-HIN-203 तकनीकी हिन्दी

क्रेडिट : 2 | अंक : 50

समय : 2 घण्टे | परीक्षा अंक : 35, आंतरिक मूल्यांकन : 15

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

तकनीकी हिन्दी से परिचित करवाना। कम्प्यूटर पर हिन्दी के सॉफ्टवेयरों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

203.1 तकनीकी हिन्दी से परिचय।

203.2 हिन्दी यूनीकोड के प्रयोग के महत्व की समझ।

203.3 कम्प्यूटर पर हिन्दी के लेखन व प्रकाशन की समझ।

203.4 कम्प्यूटर पर हिन्दी के विविध सॉफ्टवेयरों का अनुप्रयोग।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **समीक्षात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर समीक्षात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 08 अंकों का होगा। यह खण्ड कुल 16 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड 07 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विषय पर हिन्दी यूनिकोड फॉन्ट में पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन (PPT) का निर्माण, वर्ड फाइल (MS Word, Pages), एक्सल शीट, गूगल फॉर्म निर्माण, वीडियो रिकॉर्डिंग क्लिप, ब्लॉग लेखन एवं पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरूप व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 कंप्यूटर में हिन्दी का आरम्भ और विकास; कंप्यूटर और हिन्दी : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ; कंप्यूटर में हिन्दी के विभिन्न प्रयोग; हिन्दी के महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर्स।

इकाई-2 हिन्दी फ़ॉण्ट का अनुप्रयोग : यूनीकोड से पूर्व एवं उसके पश्चात्; हिन्दी कुंजीपटल का स्वरूप एवं विकास; हिन्दी में एक्सल शीट, पावर प्वॉइंट का निर्माण तथा एमएस वर्ड में कार्य।

इकाई-3 हिन्दी वेब डिज़ाइनिंग, हिन्दी वेबसाइट्स, हिन्दी ई-पोर्टल और हिन्दी ई-पत्र-पत्रिकाएँ : विषयवस्तु एवं भाषिक विश्लेषण; इंटरनेट पर सामग्री सृजन, हिन्दी ब्लॉग लेखन-प्रकाशन, हिन्दी विकिपीडिया लेखन और उसकी विकास प्रक्रिया का अध्ययन।

इकाई-4 हिन्दी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग, ई-पाठशाला; हिन्दी भाषा और ई-गवर्नेंस; साइबर क़ानून; राजभाषा हिन्दी के प्रसार में कंप्यूटर-कृत हिन्दी भाषा की भूमिका।

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर – संतोष गोयल
- तकनीकी सुलझनें – बालेन्दु शर्मा दाधीच
- कंप्यूटर सिद्धांत और तकनीक – राजेन्द्र कुमार
- हिन्दी कम्प्यूटरीकरण – डॉ० एहतिशाम अज़ीज़
- कंप्यूटर फंडामेंटल्स – प्रदीप सिन्हा, प्रीती सिन्हा
- कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेटिंग गाइड – शंशाक

सेमेस्टर-II MDC-2

B23-HIN-204 हिन्दी साहित्य का इतिहास

क्रेडिट : 3

अंक : 75

समय : 3 घण्टे

परीक्षा अंक : 50, आंतरिक मूल्यांकन : 25

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास से परिचित करवाना। साहित्येतिहास दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

204.1 हिन्दी साहित्य के विभिन्न पड़ावों, आन्दोलनों की जानकारी।

204.2 मध्यकाल के विभिन्न सम्प्रदायों की दार्शनिक पृष्ठभूमि का ज्ञान।

204.3 साहित्येतिहास लेखन के महत्व एवं लेखन की प्रक्रिया का परिचय।

204.4 भारतीय इतिहास के परिवर्तनों व उसके साहित्य पर पड़े प्रभावों की पहचान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न देना अनिवार्य है। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से पांच प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास-दर्शन; हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा; हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ और विभिन्न इतिहास-दृष्टियाँ; हिन्दी साहित्य के इतिहास के प्रमुख ग्रन्थों का परिचय; हिन्दी साहित्येतिहास का काल विभाजन और नामकरण।

इकाई-2 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि और परिवेश; आदिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ; रासो काव्य परम्परा; लौकिक साहित्य; गद्य साहित्य।

इकाई-3 भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण; भक्ति काल स्वर्णयुग; भक्ति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ; दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य; रीति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ ।

इकाई-4 हिन्दी नवजागरण काल की पृष्ठभूमि और परिवेश; भारतेन्दु युग; द्विवेदी युग; छायावाद युग; प्रगतिवाद; प्रयोगवाद।

सहायक पुस्तकें

- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपादित डॉ॰ नगेन्द्र सिंह
- हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं – अवधेश प्रधान
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

सेमेस्टर-III   CC-3, MCC-4

B23-HIN-301 हिन्दी गद्य साहित्य

क्रेडिट : 4   अंक : 100

समय : 3 घण्टे   परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी गद्य साहित्य से परिचित करवाना। कथा साहित्य के अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.1 हिन्दी गद्य की समझ विकसित होगी।

301.2 हिन्दी गद्य साहित्य की विशिष्टता का बोध।

301.3 हिन्दी कहानियों की संरचना व शिल्प का बोध।

301.4 भारतीय मध्यवर्ग, किसान व अन्य वर्गों की कहानी में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- व्याख्या – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- आलोचनात्मक प्रश्न – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- लघु-उत्तरीय प्रश्न – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड 20 अंक का होगा।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड 08 अंक का होगा।
- आंतरिक मूल्यांकन – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

हिन्दी गद्य साहित्य परम्परा का प्रवर्तन; हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास; हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास; हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास; हिन्दी निबन्ध : उद्भव और विकास; हिन्दी जीवनी : उद्भव और विकास; हिन्दी आत्मकथा : उद्भव और विकास; हिन्दी रेखाचित्र : उद्भव और विकास; हिन्दी संस्मरण : उद्भव और विकास; हिन्दी गद्य विधाओं [उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध, जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र, संस्मरण] की रचनात्मक विशेषताएँ; हिन्दी गद्य की शैलियाँ।

(ख) व्याख्या एवं लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'); गुंडा (जयशंकर प्रसाद); पूस की रात (प्रेमचन्द); पाजेब (जैनेन्द्र कुमार); परदा (यशपाल); रोज (अज्ञेय); लाल पान की बेगम (फणीश्वर नाथ 'रेणु'); पहाड़ (निर्मल वर्मा); अमृतसर आ गया है... (भीष्म साहनी); दिल्ली की एक मौत (कमलेश्वर); वापसी (उषा प्रियंवदा)। [कथाभूमि – सं॰ चितरंजन मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन]

सहायक पुस्तकें

- कहानी की बात – मार्कण्डेय
- हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश
- कहानी : अनुभव और शिल्प – जैनेन्द्र
- हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
- नई कहानी : संवेदना और स्वरुप – राजेन्द्र यादव
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण – डॉ॰ विजयमोहन सिंह

सेमेस्टर-III MCC-5

B23-HIN-302 हिन्दी उपन्यास

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

अंक : 100

परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी उपन्यास से परिचित करवाना। कथा साहित्य के अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

302.1 हिन्दी उपन्यास की समझ विकसित होगी।

302.2 हिन्दी उपन्यास साहित्य की विशिष्टता का बोध।

302.3 हिन्दी उपन्यासों की संरचना व शिल्प का बोध।

302.4 भारतीय मध्यवर्ग, किसान व अन्य वर्गों की उपन्यासों में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

उपन्यास : अर्थ, परिभाषा और तत्व; हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास; मनोविश्लेषणवादी उपन्यास; सामाजिक यथार्थवादी उपन्यास; व्यक्तिवादी उपन्यास; ऐतिहासिक उपन्यास; प्रगतिवादी उपन्यास; आँचलिक उपन्यास; स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास; महिला उपन्यासकार; दलित उपन्यासकार; 'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित समस्याएं; 'आपका बंटी' उपन्यास के प्रमुख पात्र; 'आपका बंटी' उपन्यास की तात्विक समीक्षा; 'आपका बंटी' उपन्यास का परिवेश; 'आपका बंटी' उपन्यास का संरचना-शिल्प; 'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित समाज और स्त्री जीवन।

(ख) व्याख्या के लिए

मन्नू भण्डारी : आपका बंटी

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी कथा साहित्य – गोपाल राय
- हिन्दी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय
- आज का हिन्दी उपन्यास – डॉ॰ इन्द्रनाथ मदान
- हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र
- हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन – एम॰ एम॰ गणेशम
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण – डॉ॰ विजयमोहन सिंह

सेमेस्टर-III MDC-3

B23-HIN-303 हिन्दी गद्य साहित्य

क्रेडिट : 3 अंक : 75

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 50, आंतरिक मूल्यांकन : 25

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी गद्य साहित्य से परिचित करवाना। कथा साहित्य के अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

303.1 हिन्दी गद्य की समझ विकसित होगी।

303.2 हिन्दी गद्य साहित्य की विशिष्टता का बोध।

303.3 हिन्दी कहानियों की संरचना व शिल्प का बोध।

303.4 भारतीय मध्यवर्ग, किसान व अन्य वर्गों की कहानी में उपस्थिति का बोध।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित चार प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 2 प्रश्नों का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड 10 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

हिन्दी गद्य साहित्य परम्परा का प्रवर्तन; हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास; हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास; हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास; हिन्दी निबन्ध : उद्भव और विकास; हिन्दी जीवनी : उद्भव और विकास; हिन्दी आत्मकथा : उद्भव और विकास; हिन्दी गद्य विधाओं [उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध, जीवनी, आत्मकथा] की रचनात्मक विशेषताएँ; हिन्दी गद्य की शैलियाँ।

(ख) व्याख्या एवं लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'); गुंडा (जयशंकर प्रसाद); पूस की रात (प्रेमचन्द); पाजेब (जैनेन्द्र कुमार); परदा (यशपाल); रोज (अज्ञेय); लाल पान की बेगम (फणीश्वर नाथ 'रेणु'); पहाड़ (निर्मल वर्मा); अमृतसर आ गया है... (भीष्म साहनी); दिल्ली की एक मौत (कमलेश्वर); वापसी (उषा प्रियंवदा)। [कथाभूमि – सं॰ चितरंजन मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन]

सहायक पुस्तकें

- कहानी की बात – मार्कण्डेय
- हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश
- कहानी : अनुभव और शिल्प – जैनेन्द्र
- हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
- नई कहानी : संवेदना और स्वरूप – राजेन्द्र यादव
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण – डॉ॰ विजयमोहन सिंह

सेमेस्टर-IV MCC-7

B23-HIN-402 हिन्दी नाटक और रंगमंच

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

अंक : 100

परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी नाटक व रंगमंच से परिचय। हिन्दी नाटक के अध्ययन की दृष्टि निर्मित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

402.1 हिन्दी के प्रमुख नाटक व नाटककारों से परिचय।

402.2 हिन्दी रंगकर्म के विभिन्न पहलुओं का बोध।

402.3 नाटक व रंगमंचीय अध्ययन की आलोचना दृष्टि का विकास।

402.4 नाट्य लेखन व उसके प्रस्तुतीकरण के विविध पहलुओं के बारे में ज्ञान।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को दो की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक प्रश्न के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन आलोचनात्मक प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

नाटक और रंगमंच : स्वरुप और संरचना; नाटक के तत्व; नाटक के प्रकार; नाटक की भारतीय परम्परा; नाटक की पाश्चात्य परम्परा; पारसी थियेटर; हिन्दी नाटक का विकास [भारतेन्दु युग, प्रसाद युग, स्वातंत्र्योत्तर काल, नया नाटक, लोक नाट्य, नुक्कड़ नाटक]; हिन्दी नाटक : आधुनिकताबोध और प्रयोगधर्मिता; हिन्दी रंगमंच का विकास; हिन्दी रंगमंच के विकास में अनूदित नाटकों की भूमिका; रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ; रंगभाषा।

(ख) व्याख्या के लिए

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	: अंधेर नगरी
मोहन राकेश	: आधे-अधूरे

सहायक पुस्तकें

- रंग दर्शन – नैमिचन्दर जैन
- हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह
- प्रसाद का नाट्य कर्म – सत्येन्द्र तनेजा
- आज के रंग नाटक – सं॰ सुरेश अवस्थी
- नाटक और रंगमंच – सं॰ गिरिश रस्तोगी
- हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा

सेमेस्टर-IV MCC-8

B23-HIN-403 कथेतर गद्य साहित्य

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

अंक : 100

परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी डायरी, रिपोर्ताज, साक्षात्कार व यात्रा साहित्य से परिचित करवाना। साहित्यिक रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

403.1 हिन्दी कथेतर साहित्य से परिचय।

403.2 हिन्दी कथेतर गद्य साहित्य की विशिष्टता का बोध।

403.3 हिन्दी कथेतर साहित्य की संरचना व शिल्प का बोध।

403.4 हिन्दी कथेतर साहित्य की आलोचनात्मक समझ का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **व्याख्या** – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 12 अंक का होगा।
- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम में से रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना, विषयवस्तु, सामाजिक सरोकार, कलागत वैशिष्ट्य, प्रासंगिकता आदि से संबंधित आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर (लगभग 200 शब्दों में) देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। यह खंड 20 अंक का होगा।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा। यह खण्ड 08 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

(क) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

डायरी : मोहन राकेश की डायरी (मोहन राकेश)
रिपोर्ताज : बूढ़ी बामणी (सत्यनारायण)
साक्षात्कार : एक अपना ही अजनबी (मनोहर श्याम जोशी)

(ख) व्याख्या के लिए

यात्रा-साहित्य : किन्नर देश की ओर (राहुल सांकृत्यायन)

(ग) लघुत्तरी प्रश्नों के लिए

बनारसीदास चतुर्वेदी, प्रभाकर माचवे, राहुल सांकृत्यायन, कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर', मनोहर श्याम जोशी, कमलेश्वर, रामवृक्ष बेनीपुरी, भदन्त आनन्द कौसल्यायन, मोहन राकेश, महादेवी वर्मा, रवीन्द्र कालिया।

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
- हिन्दी कथेतर गद्य परम्परा – दयानिधि मिश्र
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
- छायावादोत्तर गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- हिन्दी गद्य का विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

सेमेस्टर-IV DSE-1

B23-HIN-404 प्रयोजनमूलक हिन्दी

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

अंक : 100

परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी भाषा के व्यावहारिक रुप से परिचय करवाना। तकनीकी भाषाई कौशल विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

404.1 कार्यालयी हिन्दी से परिचय होगा।

404.2 हिन्दी भाषा लेखन कौशल में सक्षम।

404.3 हिन्दी भाषा के विविध रूपों व स्वरूप की समझ।

404.4 तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी भाषा के विकास से परिचय।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 40 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम में से कार्यालयी पत्र-लेखन संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 10 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु किसी भी विधा में लेखन, बदलते जीवन मूल्य, महामारी, लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका, ऑनलाइन शॉपिंग अथवा अन्य समसामयिक एवं व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 कार्यालयी हिन्दी : स्वरुप, क्षेत्र और उद्देश्य; सामान्य हिन्दी और कार्यालयी हिन्दी में सम्बन्ध और अन्तर; कार्यालयी हिन्दी की स्थिति और संभावनाएँ; कार्यालयी पत्र-लेखन [ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा आदि]; कार्यालयी हिन्दी लेखन [प्रारुपण, पत्र-लेखन, पल्लवन, टिप्पण, ईमेल]।

इकाई-2 हिन्दी भाषा के विविध रुप [सम्पर्क भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा]; भाषा नीति संबंधी सरकारी संकल्प; वर्तमान में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति; राजभाषा हिन्दी के क्रियान्वयन की समस्याएँ।

इकाई-3 वैज्ञानिक और तकनीकी हिन्दी की प्रयुक्तियाँ; वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली; पर्याय निर्धारण-शब्द निर्माण, प्रयोग; वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन।

इकाई-4 हिन्दी के महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर; ई-लर्निंग और हिन्दी; प्रमुख हिन्दी ई-पत्र-पत्रिकाएँ; प्रमुख वेबपोर्टल; राजभाषा हिन्दी के प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका; ई-गवर्नेंस।

सहायक पुस्तकें

- प्रयोजनपरक हिन्दी – ब्रजपाल
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – माधव सोनटक्के
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – कैलाश चन्द्र भाटिया
- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
- प्रारुपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव

सेमेस्टर-IV DSE-1

B23-HIN-405 समाचार एवं संपादन कला

क्रेडिट : 4
समय : 3 घण्टे

अंक : 100
परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

समाचार लेखन से परिचय करवाना। संपादन कला विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

405.1 समाचार लेखन व प्रस्तुतिकरण से अवगत।
405.2 समाचारों के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।
405.3 समाचारों के प्रति आलोचनात्मक व खोजी दृष्टि का विकास ।
405.4 प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए संपादन-लेखन क्षमता का विकास।

परीक्षा के लिए निर्देश

- **आलोचनात्मक प्रश्न** – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 40 अंक का होगा।
- **लघु-उत्तरीय प्रश्न** – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 20 अंक का होगा।
- **प्रायोगिक प्रश्न** – पाठ्यक्रम की प्रकृति के अनुरुप किसी एक विषय पर समाचार लेखन [स्थानीय, राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय मुद्दों पर] संबंधी विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। यह खण्ड कुल 10 अंक का होगा।
- **आंतरिक मूल्यांकन** – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु समाचार लेखन के कुछ उदाहरण– समसामयिक, पर्यावरण, परिस्थितिकी, शिक्षा, साहित्य, आर्थिक, राजनीतिक, विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं अन्य व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 समाचार : अर्थ, परिभाषा और स्वरुप; रेडियो समाचार : रिपोर्टिंग, कॉपी लेखन एवं प्रसारण; रेडियो समाचार के विभिन्न रुप; समाचार कक्ष और स्टुडियो; रेडियो की भाषा।

इकाई-2 टेलीविजन समाचार : रिसर्च, रिपोर्टिंग, पटकथा लेखन, वॉयस ओवर, निर्माण, ग्राफिक्स, प्रसारण; टेलीविजन समाचार के विविध रुप; टेलीविजन की भाषा।

इकाई-3 संपादन : अवधारणा और उद्देश्य; संपादन के आधारभूत तत्व; निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ; समाचार विश्लेषण; सम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत; सम्पादकीय का सामाजिक प्रभाव।

इकाई-4 संपादक और उपसंपादक; लीड, आमुख और शीर्षक लेखन; सम्पादकीय लेखन के तत्व और प्रविधि; संपादन तकनीकी पक्ष – [टाइप चयन, प्रूफरीडिंग, पृष्ठसज्जा]।

सहायक पुस्तकें

- समाचार लेखन – पी॰ के॰ आर्य
- संपादन कला – एन॰ सी॰ पंत
- संचार भाषा हिन्दी – सूर्य प्रसाद दीक्षित
- पत्रकारिता एवं संपादन कला – नेहा वर्मा
- आकाशवाणी समाचार की दुनिया – संजय कुमार
- समाचार संकलन और संपादन कला – डॉ॰ जितेन्द्र वत्स, डॉ॰ किरणबाला